Toppersnotes
Unleash the topper in you

REET

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा

Board of Secondary Education, Rajasthan

Level – II

(विज्ञान वर्ग)

भाग – 2 (ब)

संस्कृत

SIERRA INNOVATIONS

REET LEVEL – 2 (विज्ञान वर्ग)

CONTENTS

संस्कृत

1.	माहेश्वर सूत्र	1
	• वर्ण विचार उच्चारण स्थान	3
2.	सन्धिप्रकरणम्	6
3.	समास प्रकरण	17
4.	प्रत्यय	22
5.	छन्दः शास्त्र परिचय	35
6.	अव्यय प्रकरण	42
7.	शब्द रूप	46
8.	सर्वनाम रूप	54
9.	धातु रूप	58
10.	उपसर्ग (प्रादयः)	71
11.	वाच्य परिवर्तन	73
12.	सूक्तियाँ	75
13.	संख्या ज्ञानं/विशेषण–विशेष्य भाव	78
14.	समयज्ञानम्	85
15.	अलंकार	92
16.	प्रश्न निर्माण	95
17.	अशुद्धि संशोधन	97
18.	हिन्दी–संस्कृत अनुवाद	99
19.	विलोमार्थी शब्द	104
20.	पर्यायवाची शब्द	111
21.	वचन	114
22.	कारक	116
23.	राजस्थान के संस्कृत साहित्यकारों का योगदान	124

संस्कृत शिक्षा विधि

1.	संस्कृतशिक्षण विधयः	133
2.	नवीन विधियाँ/आधुनिक विधियाँ	140
3.	व्याकरणशिक्षणम्	150
4.	गद्यशिक्षणम्	157

धातुरूप

भू धातु रूप लट् लकार (वर्तमान काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	भवति	भवतः	भवन्ति
मध्यम पुरुष	भवसि	भवथः	भवथ
उत्तम पुरुष	भवामि	भवावः	भवामः

भू धातु रूप लोट् लकार (आदेशवाचक) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	भवतु	भवताम्	भवन्तु
मध्यम पुरुष	भव	भवतम्	भवत
उत्तम पुरुष	भवानि	भवाव	भवाम

भू धातु रूप लङ्ग लकार (भूतकाल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अभवत्	अभवताम्	अभवन्
मध्यम पुरुष	अभवः	अभवतम्	अभवत
उत्तम पुरुष	अभवम्	अभवाव	अभवाम

भू धातु रूप विधिलिङ्ग लकार (चाहिए के अर्थ में) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	भवेत्	भवेताम्	भवेयुः
मध्यम पुरुष	भवेः	भवेतम्	भवेत
उत्तम पुरुष	भवेयम्	भवेव	भवेम

भू धातु रूप लृट् लकार (भविष्यत् काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	भविष्यति	भविष्यतः	भविष्यन्ति
मध्यम पुरुष	भविष्यसि	भविष्यथः	भविष्यथ
उत्तम पुरुष	भविष्यामि	भविष्यावः	भविष्यामः

गम् धातु रूप लट् लकार (वर्तमान काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	गच्छति	गच्छतः	गच्छन्ति
मध्यम पुरुष	गच्छसि	गच्छथः	गच्छथ
उत्तम पुरुष	गच्छामि	गच्छावः	गच्छामः

गम् धातु रूप लोट् लकार (आदेशवाचक) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	गच्छतु	गच्छताम्	गच्छन्तु
मध्यम पुरुष	गच्छ	गच्छतम्	गच्छत
उत्तम पुरुष	गच्छानि	गच्छाव	गच्छाम

गम् धातु रूप लङ्ग लकार (भूतकाल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अगच्छत्	अगच्छताम्	अगच्छन्
मध्यम पुरुष	अगच्छः	अगच्छतम्	अगच्छत
उत्तम पुरुष	अगच्छम्	अगच्छाव	अगच्छाम

गम् धातु रूप विधिलिङ्ग लकार (चाहिए के अर्थ में) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	गच्छेत्	गच्छेताम्	गच्छेयुः
मध्यम पुरुष	गच्छेः	गच्छेतम्	गच्छेत
उत्तम पुरुष	गच्छेयम्	गच्छेव	गच्छेम

गम् धातु रूप लृट् लकार (भविष्यत् काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	गमिष्यति	गमिष्यतः	गमिष्यन्ति
मध्यम पुरुष	गमिष्यसि	गमिष्यथः	गमिष्यथ
उत्तम पुरुष	गमिष्यामि	गमिष्यावः	गमिष्यामः

पठ धातु रूप लट् लकार (वर्तमान काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	पठति	पठतः	पठन्ति
मध्यम पुरुष	पठसि	पठथः	पठथ
उत्तम पुरुष	पठामि	पठावः	पठामः

पठ धातु रूप लोट् लकार (अनुज्ञा) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	पठतु	पठताम्	पठन्तु
मध्यम पुरुष	पठ	पठतम्	पठत
उत्तम पुरुष	पठानि	पठाव	पठाम

पठ धातु रूप लङ्ग लकार (भूतकाल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अपठत्	अपठातम्	अपठन्
मध्यम पुरुष	अपठः	अपठतम्	अपठत
उत्तम पुरुष	अपठम्	अपठाव	अपठाम

पठ धातु रूप विधिलिङ्ग लकार (चाहिए के अर्थ में) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	पठेत्	पठेताम्	पठेयुः
मध्यम पुरुष	पठेः	पठेतम्	पठेत
उत्तम पुरुष	पठेयम्	पठेव	पठेम

पठ धातु रूप लृट् लकार (भविष्यत्) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	पठिष्यति	पठिष्यतः	पठिष्यन्ति
मध्यम पुरुष	पठिष्यसि	पठिष्यथः	पठिष्यथ
उत्तम पुरुष	पठिष्यामि	पठिष्यावः	पठिष्यामः

पा या पिब् (पीना) परस्मैपद धातु रूप

लट् लकार (वर्तमान काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	पिबति	पिबतः	पिबन्ति
मध्यम पुरुष	पिबसि	पिबथः	पिबथ
उत्तम पुरुष	पिबामि	पिबावः	पिबामः

लङ्ग लकार (भूतकाल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अपिबत्	अपिबताम्	अपिबन्
मध्यम पुरुष	अपिबः	अपिबतम्	अपिबत
उत्तम पुरुष	अपिबम्	अपिबाव	अपिबाम

लृट् लकार (भविष्यत् काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	पास्यति	पास्यतः	पास्यन्ति
मध्यम पुरुष	पास्यसि	पास्यथः	पास्यथ
उत्तम पुरुष	पास्यामि	पास्यावः	पास्यामः

लोट् लकार (आज्ञा के अर्थ में) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	पिबतु	पिबताम्	पिबन्तु
मध्यम पुरुष	पिब,पिबतात्	पिबतम्	पिबत
उत्तम पुरुष	पिबानि	पिबाव	पिबाम

विधिलिङ्ग लकार (चाहिए के अर्थ में) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	पिबेत्	पिबेताम्	पिबेयुः
मध्यम पुरुष	पिबेः	पिबेतम्	पिबेत
उत्तम पुरुष	पिबेयम्	पिबेव	पिबेम

लभ् के धातु रूप – आत्मनेपदी

लट् लकार (वर्तमान काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	लभते	लभेते	लभन्ते
मध्यम पुरुष	लभसे	लभेथे	लभध्वे
उत्तम पुरुष	लभे	लभावहे	लभामहे

लृट् लकार (भविष्यत्) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	लप्स्यते	लप्स्येते	लप्स्यन्ते
मध्यम पुरुष	लप्स्यसे	लप्स्येथे	लप्स्यध्वे
उत्तम पुरुष	लप्स्ये	लप्स्यावहे	लप्स्यामहे

लोट् लकार (अनुज्ञा) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	लभताम्	लभेताम्	लभन्ताम्
मध्यम पुरुष	लभस्व	लभेथाम्	लभध्वम्
उत्तम पुरुष	लभै	लभावहै	लभामहै

लङ्ग लकार (भूतकाल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अलभत	अलभेताम्	अलभन्त
मध्यम पुरुष	अलभथाः	अलभेथाम्	अलभध्वम्
उत्तम पुरुष	अलभे	अलभावहि	अलभामहि

विधिलिङ्ग लकार (चाहिए के अर्थ में) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	लभेत	लभेयाताम्	लभेरन्
मध्यम पुरुष	लभेथाः	लभेयाथाम्	लभेध्वम्
उत्तम पुरुष	लप्सीय	लप्सीवहि	लप्सीमहि

हन् के धातु रूप – परस्मैपदी

लट् लकार हन् धातु (वर्तमान काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	हन्ति	हतः	घ्नन्ति
मध्यम पुरुष	हंसि	हथः	हथ
उत्तम पुरुष	हन्मि	हन्वः	हन्मः

लृट् लकार हन् धातु (भविष्यत्) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	हनिष्यति	हनिष्यतः	हनिष्यन्ति
मध्यम पुरुष	हनिष्यसि	हनिष्यथः	हनिष्यथ
उत्तम पुरुष	हनिष्यामि	हनिष्यावः	हनिष्यामः

लोट् लकार हन् धातु (अनुज्ञा) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	हन्तु / हतात्	हताम्	घ्नन्तु
मध्यम पुरुष	हतात् / जहि	हतम्	हत
उत्तम पुरुष	हनानि	हनाव	हनाम

लङ्ग लकार हन् धातु (भूतकाल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अहन्	अहताम्	अघ्नन्
मध्यम पुरुष	अहन्	अहतम्	अहत
उत्तम पुरुष	अहनम्	अहन्व	अहन्म

विधिलिङ्ग लकार हन् धातु (चाहिए के अर्थ में) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	हन्यात्	हन्याताम्	हन्युः
मध्यम पुरुष	हन्याः	हन्यातम्	हन्यात
उत्तम पुरुष	हन्याम्	हन्याव	हन्याम

दुह् के धातु रूप – परस्मैपदी

लट् लकार दुह् धातु (वर्तमान काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	दोग्धि	दुग्धः	दुहन्ति
मध्यम पुरुष	धोक्षि	दुग्धः	दुग्ध
उत्तम पुरुष	दोह्मि	दुह्वः	दुह्मः

लृट् लकार दुह् धातु (भविष्यत्) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	धोक्ष्यति	धोक्ष्यतः	धोक्ष्यन्ति
मध्यम पुरुष	धोक्ष्यसि	धोक्ष्यथः	धोक्ष्यथ
उत्तम पुरुष	धोक्ष्यामि	धोक्ष्यावः	धोक्ष्यामः

लोट् लकार दुह् धातु (अनुज्ञा) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	दुग्धात् / दोग्धु	दुग्धाम्	दुहन्तु
मध्यम पुरुष	दुग्धात् / दुग्धि	दुग्धम्	दुग्ध
उत्तम पुरुष	दोहानि	दोहाव	दोहाम

लङ् लकार दुह् धातु (भूतकाल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अधोक्/अधोग्	अदुग्धाम्	अदुहन्
मध्यम पुरुष	अधोक्/अधोग्	अदुग्धम्	अदुग्ध
उत्तम पुरुष	अदोहम्	अदुह्व	अदुह्म

विधिलिङ् लकार दुह् धातु (चाहिए के अर्थ में) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	दुह्यात्	दुह्याताम्	दुह्युः
मध्यम पुरुष	दुह्याः	दुह्यातम्	दुह्यत
उत्तम पुरुष	दुह्याम्	दुह्याव	दुह्याम

दुह् के धातु रूप – आत्मनेपदी

लट् लकार दुह् धातु (वर्तमान काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	दुग्धे	दुहाते	दुहते
मध्यम पुरुष	धुक्षे	दुहाथे	धुग्ध्वे
उत्तम पुरुष	दुहे	दुह्वहे	दुह्महे

लृट् लकार दुह् धातु (भविष्यत्) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	धोक्ष्यते	धोक्ष्येते	धोक्ष्यन्ते
मध्यम पुरुष	धोक्ष्यसे	धोक्ष्येथे	धोक्ष्यध्वे
उत्तम पुरुष	धोक्ष्ये	धोक्ष्यावहे	धोक्ष्यामहे

लोट् लकार दुह् धातु (अनुज्ञा) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	दुग्धाम्	दुहाताम्	दुहताम्
मध्यम पुरुष	धुक्ष्व	दुहाथाम्	दुग्ध्वम्
उत्तम पुरुष	दोहै	दोहावहै	दोहामहै

लङ् लकार दुह् धातु (भूतकाल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अदुग्ध	अदुहाताम्	अदुहत
मध्यम पुरुष	अदुग्धाः	अदुहाथाम्	अधुग्ध्वम्
उत्तम पुरुष	अदुहि	अदुह्वहि	अदुह्महि

विधिलिङ् लकार दुह् धातु (चाहिए के अर्थ में) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	दुहीत	दुहीयाताम्	दुहीरन्
मध्यम पुरुष	दुहीथाः	दुहीयाथाम्	दुहीध्वम्
उत्तम पुरुष	दुहीय	दुहीवहि	दुहीमहि

दा के धातु रूप – परस्मैपदी

लट् लकार दा धातु (वर्तमान काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	ददाति	दत्तः	ददति
मध्यम पुरुष	ददासि	दत्थः	दत्थ
उत्तम पुरुष	ददामि	दद्वः	दद्मः

लृट् लकार दा धातु (भविष्यत्) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	दास्यति	दास्यतः	दास्यन्ति
मध्यम पुरुष	दास्यसि	दास्यथः	दास्यथ
उत्तम पुरुष	दास्यामि	दास्यावः	दास्यामः

लोट् लकार दा धातु (अनुज्ञा) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	दत्तात्/ददातु	दत्ताम्	ददतु
मध्यम पुरुष	देहि/दत्तात्	दत्तम्	दत्त
उत्तम पुरुष	ददानि	ददाव	ददाम

लङ् लकार दा धातु (भूतकाल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अददात्	अदत्ताम्	अददुः
मध्यम पुरुष	अददाः	अदत्तम्	अदत्त
उत्तम पुरुष	अददाम्	अदद्व	अदई

विधिलिङ् लकार दा धातु (चाहिए के अर्थ में) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	दद्यात्	दद्याताम्	दद्युः
मध्यम पुरुष	दद्याः	दद्यातम्	दद्यात
उत्तम पुरुष	दद्याम्	दद्याव	दद्याम

दा के धातु रूप – आत्मनेपदी

लट् लकार दा धातु (वर्तमान काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	दत्ते	ददाते	ददते
मध्यम पुरुष	दत्से	ददाथे	दद्ध्वे
उत्तम पुरुष	ददे	दद्वहे	दद्महे

लृट् लकार दा धातु (भविष्यत्) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	दास्यते	दास्येते	दास्यन्ते
मध्यम पुरुष	दास्यसे	दास्येथे	दास्यध्वे
उत्तम पुरुष	दास्ये	दास्यावहे	दास्यामहे

लोट् लकार दा धातु (अनुज्ञा) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	दत्ताम्	ददाताम्	ददताम्
मध्यम पुरुष	दत्स्व	ददाथाम्	दद्ध्वम्
उत्तम पुरुष	ददै	ददावहै	ददामहै

लङ्ग लकार दा धातु (भूतकाल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अदत्त	अददाताम्	अददत
मध्यम पुरुष	अदत्थाः	अददाथाम्	अदद्ध्वम्
उत्तम पुरुष	अददि	अदद्वहि	अदद्महि

विधिलिङ्ग लकार दा धातु (चाहिए के अर्थ में) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	ददीत	ददीयाताम्	ददीरन्
मध्यम पुरुष	ददीथाः	ददीयाथाम्	ददीध्वम्
उत्तम पुरुष	ददीय	ददीवहि	ददीमहि

भी के धातु रूप – परस्मैपदी

लट् लकार भी धातु (वर्तमान काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	विभेति	विभीतः	विभ्यति
मध्यम पुरुष	विभेषि	विभीथः	विभीथ
उत्तम पुरुष	विभेमि	विभीवः	विभीमः

लोट् लकार भी धातु (अनुज्ञा) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	विभेतु	विभीताम्	विभ्यतु
मध्यम पुरुष	विभीधि	विभीतम्	विभीत
उत्तम पुरुष	विभीवानि	विभीयाव	विभीयाम

लङ्ग लकार भी धातु (भूतकाल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अविभेत्	अविभीताम्	अविभीवुः
मध्यम पुरुष	अविभेः	अविभीतम्	अविभीत
उत्तम पुरुष	अविभयम्	अविभीव	अविभीम

विधिलिङ्ग लकार भी धातु (चाहिए के अर्थ में) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	विभीयात्	विभीयाताम्	विभीयुः
मध्यम पुरुष	विभीयाः	विभीयातम्	विभीयात्
उत्तम पुरुष	विभीयाम्	विभीयाव	विभीयाम

लृट् लकार भी धातु (भविष्यत्) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	भेष्यति	भेष्यतः	भेष्यन्ति
मध्यम पुरुष	भेष्यसि	भेष्यथः	भेष्यथ
उत्तम पुरुष	भेष्यामि	भेष्यावः	भेष्यामः

दिव् के धातु रूप – परस्मैपदी

लट् लकार दिव् धातु (वर्तमान काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	दीव्यति	दीव्यतः	दीव्यन्ति
मध्यम पुरुष	दीव्यसि	दीव्यथः	दीव्यथ
उत्तम पुरुष	दीव्यामि	दीव्यावः	दीव्यामः

लृट् लकार दिव् धातु (भविष्यत्) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	देविष्यति	देविष्यतः	देविष्यन्ति
मध्यम पुरुष	देविष्यसि	देविष्यथः	देविष्यथ
उत्तम पुरुष	देविष्यामि	देविष्यावः	देविष्यामः

लोट् लकार दिव् धातु (अनुज्ञा) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	दीव्यतु / दीव्यतात्	दीव्यताम्	दीव्यन्तु
मध्यम पुरुष	दीव्य / दीव्यतात्	दीव्यतम्	दीव्यत
उत्तम पुरुष	दीव्यानि	दीव्याव	दीव्याम

लङ्ग लकार दिव् धातु (भूतकाल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अदीव्यत्	अदीव्यताम्	अदीव्यन्
मध्यम पुरुष	अदीव्यः	अदीव्यतम्	अदीव्यत
उत्तम पुरुष	अदीव्यम्	अदीव्याव	अदीव्याम

विधिलिङ्ग लकार दिव् धातु (चाहिए के अर्थ में) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	दीव्येत्	दीव्येताम्	दीव्येयुः
मध्यम पुरुष	दीव्येः	दीव्येतम्	दीव्येत
उत्तम पुरुष	दीव्येयम्	दीव्येव	दीव्येम

जन् के धातु रूप – आत्मनेपदी

लट् लकार जन् धातु (वर्तमान काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	जायते	जायेते	जायन्ते
मध्यम पुरुष	जायसे	जायेथे	जायध्वे
उत्तम पुरुष	जाये	जायावहे	जायामहे

लृट् लकार जन् धातु (भविष्यत्) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	जनिष्यते	जनिष्येते	जनिष्यन्ते
मध्यम पुरुष	जनिष्यसे	जनिष्येथे	जनिष्यध्वे
उत्तम पुरुष	जनिष्ये	जनिष्यावहे	जनिष्यामहे

लोट् लकार जन् धातु (अनुज्ञा) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	जायताम्	जायेताम्	जायन्ताम्
मध्यम पुरुष	जायस्व	जायेथाम्	जायध्वम्
उत्तम पुरुष	जायै	जायावहै	जायामहै

लङ्ग लकार जन् धातु (भूतकाल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अजायत	अजायेताम्	अजायन्त
मध्यम पुरुष	अजायथाः	अजायेथाम्	अजायध्वम्
उत्तम पुरुष	अजाये	अजायावहि	अजायामहि

विधिलिङ्ग लकार जन् धातु (चाहिए के अर्थ में) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	जायेत	जायेयाताम्	जायेरन्
मध्यम पुरुष	जायेथाः	जायेयाथाम्	जायेध्वम्
उत्तम पुरुष	जायेय	जायेवहि	जायेमहि

तुद् (दुःख देना) परस्मैपदी धातुरूप

लट् लकार (वर्तमान काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	तुदति	तुदतः	तुदन्ति
मध्यम पुरुष	तुदसि	तुदथः	तुदथ
उत्तम पुरुष	तुदामि	तुदावः	तुदामः

लङ् लकार (भूत काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अतुदत्	अतुदताम्	अतुदन्
मध्यम पुरुष	अतुदः	अतुदतम्	अतुदत
उत्तम पुरुष	अतुदम्	अतुदाव	अतुदाम

लृट् लकार (भविष्यत् काल)

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	तोत्स्यति	तोत्स्यतः	तोत्स्यन्ति
मध्यम पुरुष	तोत्स्यसि	तोत्स्यथः	तोत्स्यथ
उत्तम पुरुष	तोत्स्यामि	तोत्स्यावः	तोत्स्यामः

लोट् लकार (आज्ञा के अर्थ में) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	तुदतु	तुदताम्	तुदन्तु
मध्यम पुरुष	तुद	तुदतम्	तुदत
उत्तम पुरुष	तुदानि	तुदाव	तुदाम

विधिलिङ् (चाहिए के अर्थ में) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	तुदेत्	तुदेताम्	तुदेयुः
मध्यम पुरुष	तुदेः	तुदेतम्	तुदेत
उत्तम पुरुष	तुदेयम्	तुदेव	तुदेम

रुद् के धातु रूप – परस्मैपदी

लट् लकार रुद् धातु (वर्तमान काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	रोदिति	रुदितः	रुदन्ति
मध्यम पुरुष	रोदिषि	रुदिथः	रुदिथ
उत्तम पुरुष	रोदिमि	रुदिवः	रुदिमः

लृट् लकार रुद् धातु (भविष्यत्) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	रोदिष्यति	रोदिष्यतः	रोदिष्यन्ति
मध्यम पुरुष	रोदिष्यसि	रोदिष्यथः	रोदिष्यथ
उत्तम पुरुष	रोदिष्यामि	रोदिष्यावः	रोदिष्यामः

लोट् लकार रुद् धातु (अनुज्ञा) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	रुदितात् / रोदितु	रुदिताम्	रुदन्तु
मध्यम पुरुष	रुदितात् / रुदिहि	रुदितम्	रुदित
उत्तम पुरुष	रोदानि	रोदाव	रोदाम

लङ् लकार रुद् धातु (भूतकाल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अरोदत् / अरोदीत्	अरुदिताम्	अरुदन्
मध्यम पुरुष	अरोदः / अरोदीः	अरुदितम्	अरुदित
उत्तम पुरुष	अरोदम्	अरुदिव	अरुदिम

विधिलिङ् लकार रुद् धातु (चाहिए के अर्थ में) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	रुद्यात्	रुद्याताम्	रुद्युः
मध्यम पुरुष	रुद्याः	रुद्यातम्	रुद्यात
उत्तम पुरुष	रुद्याम्	रुद्याव	रुद्याम

प्रच्छ् के धातु रूप – परस्मैपदी

लट् लकार प्रच्छ् धातु (वर्तमान काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	पृच्छति	पृच्छतः	पृच्छन्ति
मध्यम पुरुष	पृच्छसि	पृच्छथः	पृच्छथ
उत्तम पुरुष	पृच्छामि	पृच्छावः	पृच्छामः

लृट् लकार प्रच्छ् धातु (भविष्यत्) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	प्रक्ष्यति	प्रक्ष्यतः	प्रक्ष्यन्ति
मध्यम पुरुष	प्रक्ष्यसि	प्रक्ष्यथः	प्रक्ष्यथ
उत्तम पुरुष	प्रक्ष्यामि	प्रक्ष्यावः	प्रक्ष्यामः

लोट् लकार प्रच्छ् धातु (अनुज्ञा) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	पृच्छतात् / पृच्छतु	पृच्छताम्	पृच्छन्तु
मध्यम पुरुष	पृच्छ / पृच्छतात्	पृच्छतम्	पृच्छत
उत्तम पुरुष	पृच्छानि	पृच्छाव	पृच्छाम

लङ् लकार प्रच्छ् धातु (भूतकाल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अपृच्छत्	अपृच्छताम्	अपृच्छन्
मध्यम पुरुष	अपृच्छः	अपृच्छतम्	अपृच्छत
उत्तम पुरुष	अपृच्छम्	अपृच्छाव	अपृच्छाम

विधिलिङ्ग लकार प्रच्छ् धातु (चाहिए के अर्थ में) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	पृच्छेत्	पृच्छेताम्	पृच्छेयुः
मध्यम पुरुष	पृच्छेः	पृच्छेतम्	पृच्छेत
उत्तम पुरुष	पृच्छेयम्	पृच्छेव	पृच्छेम

चुर के धातु रूप – परस्मैपदी

लट् लकार चुर धातु (वर्तमान काल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	चोरयति	चोरयतः	चोरयन्ति
मध्यम पुरुष	चोरयसि	चोरयथः	चोरयथ
उत्तम पुरुष	चोरयामि	चोरयावः	चोरयामः

लृट् लकार चुर धातु (भविष्यत्) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	चोरयिष्यति	चोरयिष्यतः	चोरयिष्यन्ति
मध्यम पुरुष	चोरयिष्यसि	चोरयिष्यथः	चोरयिष्यथ
उत्तम पुरुष	चोरयिष्यामि	चोरयिष्यावः	चोरयिष्यामः

लोट् लकार चुर धातु (अनुज्ञा) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	चोरयतात्/चोरयतु	चोरयताम्	चोरयन्तु
मध्यम पुरुष	चोरय/चोरयतात्	चोरयतम्	चोरयत
उत्तम पुरुष	चोरयाणि	चोरयाव	चोरयाम

लङ्ग लकार चुर धातु (भूतकाल) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अचोरयत्	अचोरयताम्	अचोरयन्
मध्यम पुरुष	अचोरयः	अचोरयतम्	अचोरयत
उत्तम पुरुष	अचोरयम्	अचोरयाव	अचोरयाम

विधिलिङ्ग लकार चुर धातु (चाहिए के अर्थ में) –

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	चोरयेत्	चोरयेताम्	चोरयेयुः
मध्यम पुरुष	चोरयेः	चोरयेतम्	चोरयेत्
उत्तम पुरुष	चोरयेयम्	चोरयेव	चोरयेम

उपसर्ग (प्रादयः)

वे पद जो किसी क्रियापद से पूर्व जुड़कर उसके अर्थ को परिवर्तित या चमत्कृत कर दे उन्हें उपसर्ग कहा जाता है। संस्कृत व्याकरण में उपसर्ग संज्ञा विधायक सूत्र इस प्रकार है – ''उपसर्गा क्रियायोगे''।

उपसर्गेण धात्वार्थो बलाद् अन्यत्र नीयते।
प्रहार संहार विहार परिहारवत्।।

उपसर्ग धातु के अर्थ को मूल अर्थ से परिवर्तित कर देते हैं।
जैसे – प्रहार, आहार, संहार, विहार और परिहार (त्यागना) शब्द।
''संस्कृत भाषायाम् उपसर्गाः द्वाविंशतिः भवन्ति।''

संस्कृत भाषा में उपसर्ग बाईस (22) होते हैं। प्र उपसर्ग से प्रारम्भ होने के कारण उपसर्गों को प्रभावित प्रादयः भी कहा जाता है। प्रत्येक उपसर्ग का विशेष अर्थ होता है।

1. प्र (उत्कर्ष/अधिकता अर्थ) – प्रभवति, प्रयोगः, प्राचार्यः, प्रवासं, प्रयोजनं, प्रतिष्ठति, प्रख्यातः, प्रहारं, प्रमत्तः प्रभूर्त, R-15 प्राप्नोति, R-17 प्रविशान्ति, प्रवर्त्तमान।
2. परा (विपरीत/पीछे) – पराभवं, पराजयः, पराक्रमं, परावर्तनं, पराक्रामति, पराजयते, परावर्तते।
3. प्रति (ओर/विरोध) – प्रतिकूल, प्रतिलिपि, प्रतिकार, प्रतीक्षते, प्रत्येक, प्रत्यावर्तनं, प्रत्याहारं, प्रत्युन्तरं, प्रत्युपकारं, प्रत्यागच्छति।
4. परि (चारों ओर) – पर्यावरणं, परिहारं, परिव्यक्तः, पर्याप्तं, परिजनः, परिवार, परिवर्तते, पर्यालोचन।
5. अप (दूर/विरोध) – अपमानं, अपव्ययं, अपहरति, अपयशः, अपकीर्तिः, अपकारं, अपहरणं, अपभाषयति, अपकरोति।
6. अनु (पीछे/समान) – अनुवादः, अनुचरः, अनुजः, अनुभवं, अनुकूलं, अनुगमनं, अन्वेषणं, अनुरागः, अनुधावति, अनुगच्छति।
7. अव (हीन/बुरा) – अवगुणः, अवतारः, अवगच्छति, अवसरः, अवशेषः।
8. अति (अधिक/अयोग्य) – अतिरिक्तं, अतीन्द्रियः, अत्यधिकं, अत्याचारं, अतिक्रमणं, अत्यावश्यकं, अतीव, अत्यन्तं, अत्युन्नतिः।
9. अधि (ऊपर/श्रेष्ठ) – अधिगच्छति R-18, अधिकारः, अध्यादेशः, R-18 अध्यास्ते, अधिकरणं, अध्यक्षः, अध्ययनं, अधीक्षकः।
10. अपि (निकट/भी) – अपिराजते, अपिधते, अपितु, अपिगिरति।
11. अभि (ओर) – अभिनन्दनं, अभिनयं, अभिमानं, अभ्यर्थी, अभ्यासः, अभिवादनं, अभिभावकः।
12. आ (सहित) – आक्रमणं, आकर्षणं, आरक्षणं, आजीवनं, आसाद्यं, आरोहति, आगच्छति, आनयति, आगमनं।
13. वि (अलग) – व्यायामं R-12, विक्रय, विचरति, विभिन्नः विजयः, व्ययः, व्यापृतं, व्याकरणं, विशेषः, विभाति, व्यवस्थितः, व्यवहारः।
14. निर् (बिना) – निरक्षरः, निरादरं, निरन्तरं, नीरोगः, नीरन्ध्रः, नीरसः, निरपराधः, निराशा, निराहारं।
15. निस् (बिना) – निष्फलं, निश्चयः, निस्तारणं, निष्कामं, निष्पापं, निश्छलः, निःसन्देहं, निस्तेजः, निस्सहायं।
16. नि (विशेष) – निगमं, निवास्थति, न्यवद्त, न्यायः, न्यूनतम, निवसति, निलीयते, निवेशः।
17. दुर् (कठिन) – दुर्गतिः, दुराचारं, दुर्जनं, दुर्बुद्धिः, दुर्गन्धं, दुराग्रहं।
18. दुस् (बुरा) – दुष्कर्मः, दुस्साध्यं, दुःस्वप्नः, दुःशासनं, दुष्प्रचारं, दुस्साहसं।

19. सम् (अच्छी तरह) – समर्पणं, समागतः, सम्यवं, समीक्षा, संस्कृतं, सन्तोष, संगच्छते, सन्यासं, सन्धिः, समासः, सञ्चारं, सङ्गणकं, संगतिः, संस्कृतिः, R – 12।
20. सु (अच्छा) – सुलभं, सुपाठ्यं, सुदर्शनं, सुपुत्रः, स्वच्छः, सूक्तिः, स्वागतं, स्वल्पं, सुविचाराः, सुशीलः।
21. उद् (ऊपर) – उत्कर्षः, उत्तमं, उद्भुताः, उत्पादनं, उन्नतिं, उत्थानं, उच्चारणं, उल्लेखः, उज्ज्वलः, उत्कीर्षः उत्तरं।
22. उप (समीप) – उपकारः, उपकरणं, उपनयनं, उपागच्छत्, उपवनं, उपदेशं, उपहारः, उपवासः, उपदिशति।

प्रत्येक शब्द में उपसर्ग होना आवश्यक नहीं हैं। शब्द में एक या एक से अधिक उपसर्ग भी हो सकते हैं। जैसे–

व्याकरणं = वि + आ + कृ + ल्युट् प्रत्यय

अत्याचारं = अति + आ

व्यायामं = वि + आ

प्रत्युपकारः = प्रति + उप

पर्यावरणं = परि + आ